SSC GD 2025

अवसर बैच

हिंदी

क्रिया

LIVE 02-08-2024 06:15 PM

क्रिया (विकारी)

परिभाषा :→ किसी कार्य का करना या होना क्रिया कहलाता है।
↓
खाना, पीना, पढ़ना, लिखना, सोना, रोना आदि।

क्रिया मूल रूप धातु है।
↓
धातु ← लिख + ना (प्रत्यय) → लिखना क्रिया

→ धातु में ना प्रत्यय जोड़कर क्रिया का निर्माण किया जाता है।

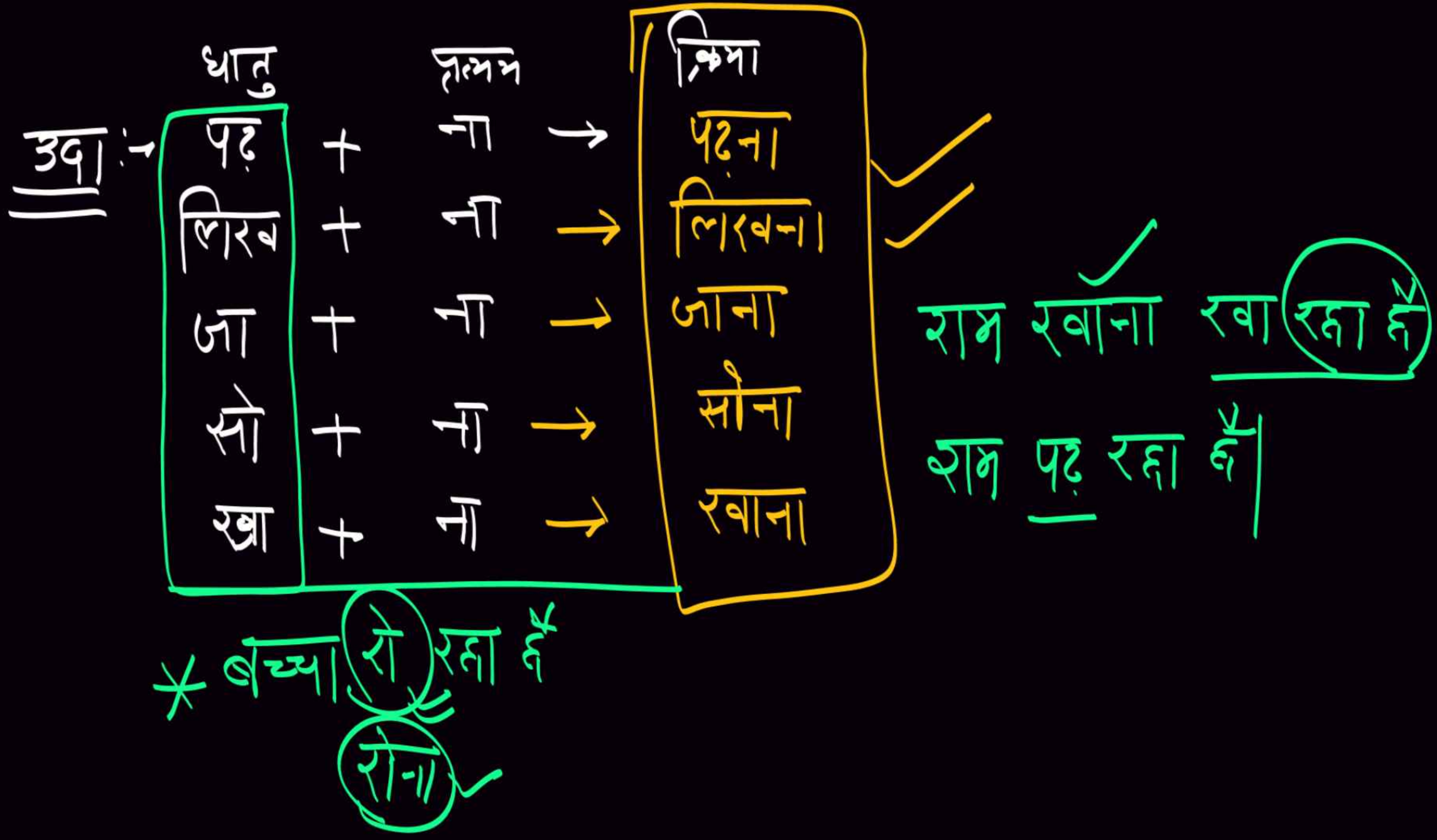
धातु
प्रत्यय
क्रिया
उदा :-
पढ़ + ना → पढ़ना
लिख + ना → लिखना
जा + ना → जाना
सो + ना → सोना
रखा + ना → रखाना
राम रखाना रखा है
राम पढ़ रहा है।
* बच्चा सो रहा है
सोना

Q राजू पढ़ रहा है वाक्य क्रिया बताओ ?

(A) अकर्मक क्रिया

(B) सकर्मक क्रिया

(C) द्विकर्मक क्रिया

(D) संयुक्त क्रिया

अकर्मक

Q राम पत्र लिख रहा है।

कर्ता कर्म लिखना क्रिया

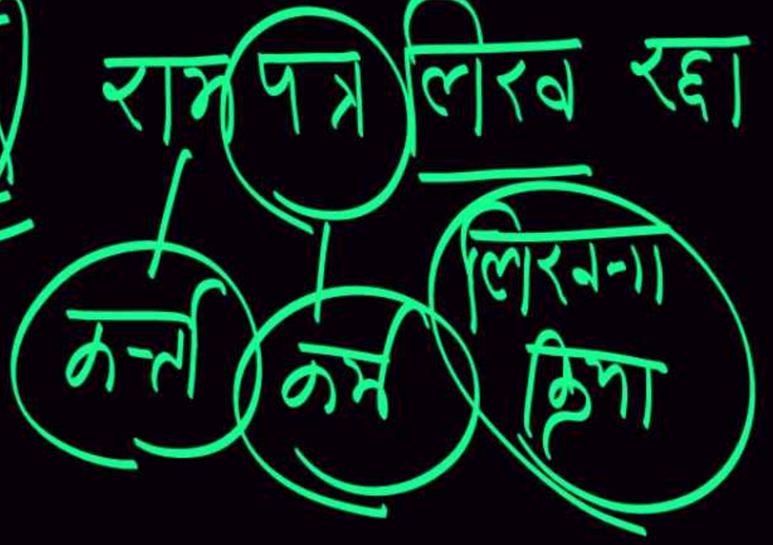

① क्रिया का विभाजन दो प्रकार से किया जाता है।

① रचना व बनावट के आधार पर कर्म के आधार पर दो

① अकर्मक
② सकर्मक

② प्रयोग के आधार पर (पाँच)

① प्रेरणार्थक क्रिया
② पूर्वकालिक क्रिया
③ सामान्य क्रिया
④ नाम धातु क्रिया
⑤ संयुक्त क्रिया

① अकर्मक क्रिया :→ जिस क्रिया का प्रभाव कर्म पर ना पड़कर सीधा कर्त्ता पर पड़ता है वहाँ अकर्मक क्रिया होती है।

अ + कर्मक

बिना + कर्म

कर्त्ता + क्रिया

⑦ मोहन जा रहा है।

विशेष :→ इस क्रिया में (क्या, किसे, किसका) का उत्तर नहीं मिलता है।

उदा :→ (1) राम खाता है।
(2) बच्चा रोता है।
(3) मोहन सोता है।
④ मोर नाचता है।
⑤ शीला हँसती है।
⑥ पक्षी आकाश में उड़ते हैं।

(2) सकर्मक क्रिया :→ सकर्मक क्रिया में क्रिया का प्रभाव कर्त्ता पर नहीं पड़ता है सीधा कर्म पर पड़ता है।

सकर्मक

साध्य + कर्म

कर्त्ता + कर्म + क्रिया

विशेष :→ इस क्रिया के वाक्यों में (क्या, किसे, किसको) का उत्तर मिलता है।

* गगन पत्र लिखता है

कर्त्ता कर्म क्रिया

शीला गाना गा रही है।

कर्त्ता कर्म क्रिया

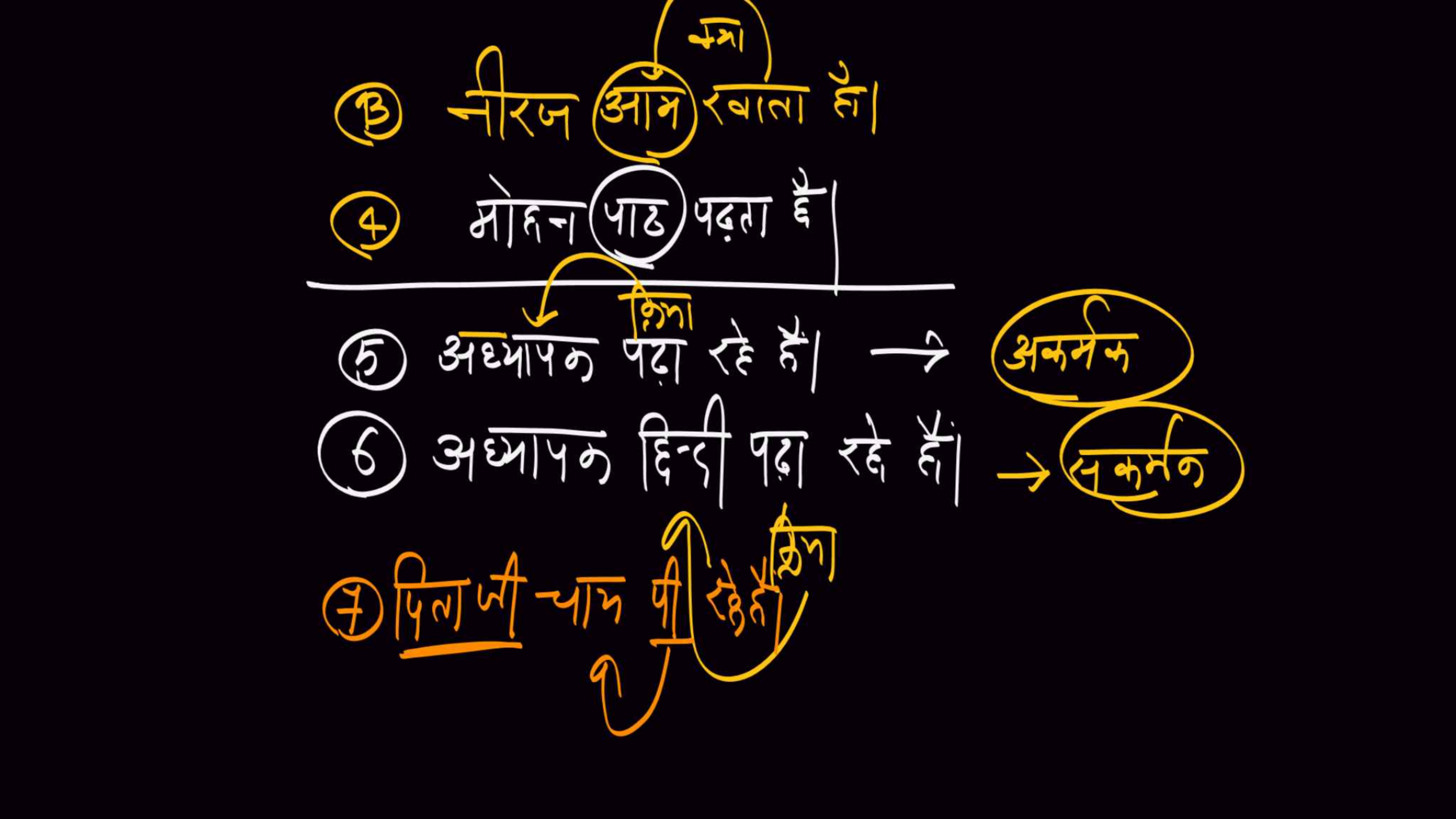
कर्म
③ नीरज आम खाता है।
④ मोहन पाठ पढ़ता है।
क्रिया
⑤ अध्यापक पढ़ा रहे हैं। → अकर्मक
⑥ अध्यापक हिन्दी पढ़ा रहे हैं। → सकर्मक
⑦ पिताजी चाय पी रहे हैं।

* विशाल अभ्यास लिख रहा है।

कर्ता कर्म क्रिया

* पंकज समोसे खा रहा है।

कर्ता कर्म क्रिया

माता जी खाना बना रही है।

कर्ता कर्म क्रिया